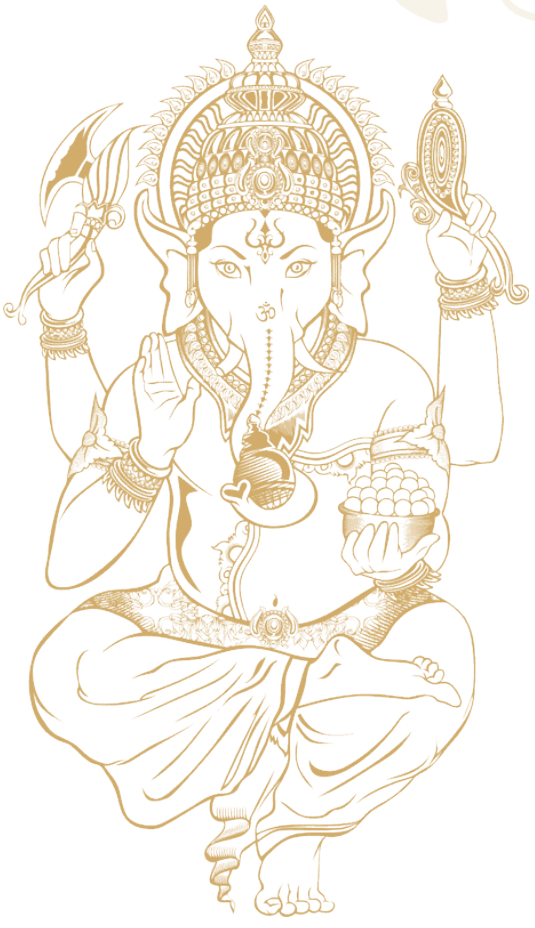

Mohit periwal

Baheti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121653306

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/04/1995	जन्म तिथि	15/11/1993
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:05:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 19:41:52	जन्म समय(घटी)	04:12:45 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bikaner
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:15	सूर्योदय	06:58:13
18:38:37	सूर्यास्त	17:43:57
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 11मा 29दि	18:36:45	कर्क	लग्न	वृश्चि	16:43:48	शनि 1वर्ष 4मा 16दि
सूर्य	17:21:44	मीन	सूर्य	तुला	28:59:04	शुक्र
30/03/2021	01:54:43	मेष	चंद्र	वृश्चि	15:41:56	03/04/2019
31/03/2027	19:43:03	कर्क	मंगल	वृश्चि	10:27:55	03/04/2039
सूर्य 18/07/2021	04:27:54	मीन	बुध व	तुला	12:45:26	शुक्र 02/08/2022
चन्द्र 16/01/2022	21:35:24	वृश्चि	गुरु	तुला	07:14:00	सूर्य 02/08/2023
मंगल 24/05/2022	11:10:04	कुंभ	शुक्र	तुला	13:47:01	चन्द्र 02/04/2025
राहु 18/04/2023	24:23:31	कुंभ	शनि	कुंभ	00:08:09	मंगल 02/06/2026
गुरु 04/02/2024	11:49:41	तुला व	राहु	वृश्चि	09:13:57	राहु 02/06/2029
शनि 16/01/2025	11:49:41	मेष व	केतु	वृष	09:13:57	गुरु 01/02/2032
बुध 23/11/2025	06:12:09	मक	हर्ष	धनु	25:25:51	शनि 03/04/2035
केतु 30/03/2026	01:33:46	मक	नेप	धनु	25:10:28	बुध 31/01/2038
शुक्र 31/03/2027	06:35:21	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	01:32:45	केतु 03/04/2039

लग्न-चलित

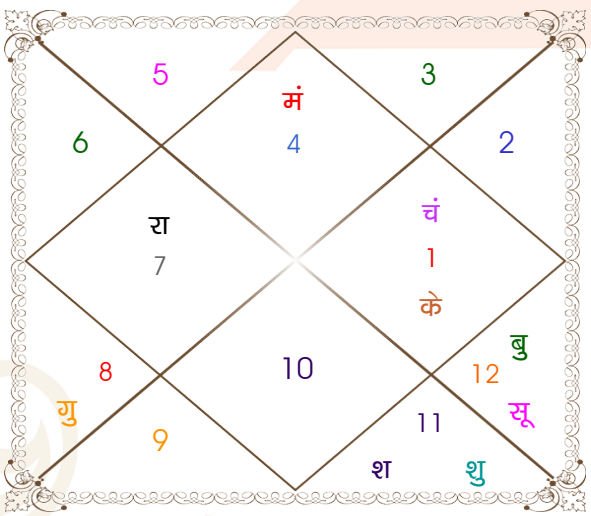

लग्न-चलित

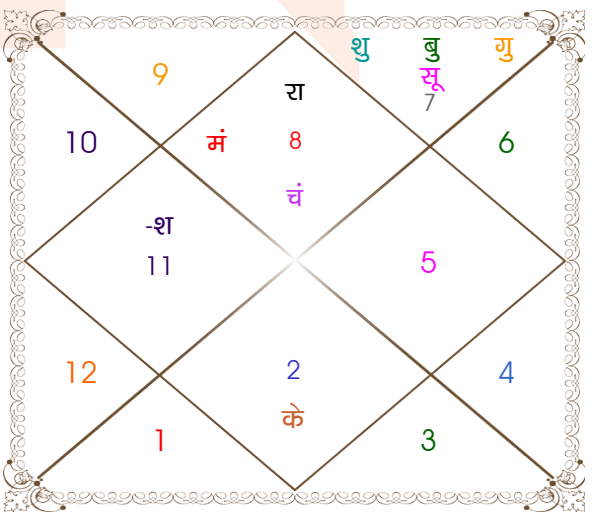

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डवीपज चमतपूंस का वर्ग सिंह है तथा Baheti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डवीपज चमतपूंस और Baheti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डवीपज चमतपूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डवीपज चमतपूंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Baheti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Baheti कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Baheti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Baheti कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डवीपज चमतपूंस तथा Baheti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।